श्रीमत् वेदान्त रामानुज मुनि करुणालब्ध वेदान्त युग्मम्
श्रीमत् श्रीवास योगीश्वर गुरुपदयोर्पित स्वात्मभारम्
श्रीमत् श्रीरङ्गनाताह्वय मुनिकृपया प्राप्त मोक्षाश्रमं तं
श्रीमत् वेदान्त रामनुज मुनिमपरम् संश्रये देशिकेन्द्रम्

श्रीमत् श्रीवास योगीश्वर मुनि करुणालब्ध वेदान्त युग्मम्
श्रीमत् वेदान्त रामानुज गुरुपदयोर्पित स्वात्मभारम्
श्रीमत् श्रुत्यन्त रामानुज यति नृपतेः प्राप्त मोक्षाश्रमं तं
श्रीमत् श्रीवास रामनुजमुनिं संश्रये ज्ञानवार्धिम्

वेदान्त लक्ष्मण मुनीन्द्र कृपात्त बोधम्
तत्पाद युग्म सरसीरुह भृङ्गराजम्
त्रय्यन्त युग्म कृतभूरि परिश्रमं तं
श्रीरङ्ग लक्ष्मणमुनिम् शरणं प्रपद्ये

श्री सीता अष्टोत्तर शतनामावळिः

shrI sItA aShTottara shatanAmAvaLiH

श्री सीता अष्टोत्तर शतनामावळिः

ओं सीतायै नमः
ओं अयोनिजायै नमः
ओं जानक्यै नमः
ओं मैथिल्यै नमः
ओं वैदेह्यै नमः
ओं जनक नन्दिन्यै नमः
ओं जनक वंश कीर्तिकरायै नमः
ओं वाल्मीकि गीत वैभवायै नमः
ओं श्रीराम कथा श्रवण कुतूहलिन्यै नमः
ओं श्रीराम प्रियायै नमः
ओं दशरथ स्नुषायै नमः
ओं श्रीराघव भुज बल प्रभावज्ञायै नमः
ओं पति चिन्त अपरायणायै नमः
ओं पति शुश्रूषणेरतायै नमः
ओं रामैक तत्परायै नमः
ओं रामाधीन जीवितायै नमः
ओं रामायत्तात्म वैभवायै नमः
ओं रामानन्द कर्यै नमः
ओं श्रीराम महिष्यै नमः
ओं भर्तृ दृड व्रतायै नमः
ओं भर्तृ भक्ति व्रतायै नमः
ओं भर्त्रनुगतायै नमः
ओं भर्तृ भावज्ञायै नमः
ओं पति तुल्य शीलवयो वृत्तायै नमः
ओं स्त्री रत्नायै नमः
ओं पति व्रतायै नमः
ओं सर्व लक्षण संपन्नायै नमः

ओं शुभ दर्शिन्यै नमः
ओं अत्यर्थ प्रिय दर्शनायै नमः
ओं असितेक्षणायै नमः
ओं पद्मपत्र निभेक्षणायै नमः
ओं वराङ्गनायै नमः
ओं रूप संपन्नायै नमः
ओं तप्त काञ्चन वर्णाङ्गायै नमः
ओं मृगशाबाक्ष्यै नमः
ओं पूर्ण चन्द्र निभाननायै नमः
ओं नीलकेश्यै नमः
ओं सुभ्रुवे नमः
ओं चारुहासायै नमः
ओं आयत लोचनायै नमः
ओं शुचिस्मितायै नमः
ओं असितकेशान्तायै नमः
ओं ताम्रोष्ठ्यै नमः
ओं बिंबाधरोष्ठ्यै नमः
ओं रुचिर दन्तोष्ठ्यै नमः
ओं चारुवृत्त पयोधरायै नमः
ओं सुश्रोण्यै नमः
ओं सुमध्यायै नमः
ओं सर्वाभरण भूषितायै नमः
ओं वीतकौशेय वासिन्यै नमः
ओं अनवद्य गुणालयायै नमः
ओं शील संपन्नायै नमः
ओं अपरिच्छिन्न कल्याण्यै नमः
ओं धर्म चारिण्यै नमः

श्री सीता अष्टोत्तर शतनामावळिः

ओं धर्मज्ञायै नमः
ओं धर्म वत्सलायै नमः
ओं अन्वेष्टव्य निजस्थित्यै नमः
ओं अमल ज्ञानवत्यै नमः
ओं पर दुःख हरायै नमः
ओं सर्व भूत दयावहायै नमः
ओं अज्ञात निग्रहायै नमः
ओं अपराध प्रसहनायै नमः
ओं सत्यपरायणायै नमः
ओं पाप नाशिन्यै नमः
ओं मनोज्ञायै नमः
ओं यशस्विन्यै नमः
ओं तपस्विन्यै नमः
ओं योग प्रियायै नमः
ओं योगरतायै नमः
ओं इङ्गितज्ञायै नमः
ओं मधुरायै नमः
ओं मधुरालापायै नमः
ओं नित्यं सुस्मित भाषिण्यै नमः
ओं प्रियवादिन्यै नमः
ओं मधुर भाषिण्यै नमः
ओं पूर्व भाषिण्यै नमः
ओं सर्वकाम समृद्धिन्यै नमः
ओं श्रेय सान्निधये नमः
ओं जन्म मृत्यु शोक नाशिन्यै नमः
ओं श्रेयस् कर्यै नमः
ओं अभिवादैक सुलभायै नमः
ओं लोकमात्रे नमः
ओं वर वर्णिन्यै नमः
ओं वरारोहायै नमः
ओं सर्वैश्वर्यै नमः
ओं भोग दायिन्यै नमः
ओं त्रिवर्ग फल प्रदायिन्यै नमः
ओं अभीप्सि तार्थ कल्पद्रुवे नमः
ओं शुभ चरित्र संपन्नायै नमः
ओं त्रात काकासुरायै नमः
ओं चित्रकूट निवास कुतूहलिन्यै नमः
ओं पञ्चवटीवास प्रियायै नमः
ओं गोदावरीतीर वास रसिकायै नमः
ओं वनवास कृतोत्कण्ठायै नमः
ओं अनिष्ट दुर्जन व्रातायै नमः
ओं अञ्जनासूनु सेवितायै नमः
ओं तृणि कृत दशाननायै नमः
ओं त्रिजटा सेव्यायै नमः
ओं अङ्गुळीयक दर्शन सन्तुष्टायै नमः
ओं चूडामणि प्रदायै नमः
ओं अर्चिरादि गति प्रदायै नमः
ओं सकृत् प्रपन्न जन संरक्षण दीक्षितायै नमः
ओं प्रणिपात प्रसन्नायै नमः
ओं शरण्यायै नमः
ओं शरणागत त्राण दीक्षितायै नमः
ओं मोक्ष दायिन्यै नमः
ओं दृष्टादृष्ट फल प्रदायिन्यै नमः
ओं सीतायै नमः